JTET Exam Portal (https://jtet.jacportal.in/)

झारखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

विषय : भाषा – 2 (क्षेत्रीय भाषा) : पंचपरगनिया

(परीक्षा-प्रयुक्त लिपि : देवनागरी)

प्राथमिक स्तर (कक्षा – 1 से 5 हेतु)	
क्र.	पाठ्य – वस्तु
1	भाषा-परिचय एवं भाषिक पहचान – पंचपरगनिया का सामान्य परिचय, क्षेत्रीय प्रसार, भाषिक समुदाय, लोक एवं शिष्ट साहित्य का प्रारंभिक बोध।
2	लिपि, ध्वनि एवं वर्तनी – देवनागरी प्रस्तुति, स्वर-व्यंजन, उच्चारण, ध्वनि-वर्ण संबंध, शुद्ध लेखन की प्रारंभिक समझ।
3	मूल व्याकरण – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन, कारक, क्रिया, काल, अव्यय, सरल वाक्य-रचना।
4	शब्दावली एवं व्यवहारिक प्रयोग – दैनिक जीवन की शब्दावली, सरल वाक्य, प्रश्नोत्तर, वाक्य-शुद्धि, सामान्य मुहावरे/लोकोक्तियाँ।
5	लोकसाहित्य एवं मौखिक परंपरा – लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, पहेली, लोकोक्ति, मुहावरा, खेलगीत।
6	पठन-बोधन, लेखन एवं सरल रूपांतरण – सरल गद्यपद्य बोध, मुख्य भाव, शब्दार्थ, चित्र-वर्णन, लघु अनुच्छेद, संवाद, सरल भावांतरण।
7	भाषा-शिक्षण प्रासंगिकता – मातृभाषा आधारित शिक्षण, श्रवण-भाषण गतिविधियाँ, चित्र-आधारित भाषा-अधिगम, प्रारंभिक त्रुटि-सुधार।
8	नई शिक्षा नीति'2020 के आलोक में मातृभाषा-आधारित प्रारंभिक अधिगम – पंचपरगनिया भाषा में संवाद, गीत, कहानी और स्थानीय अनुभवों से सीखना।

Manlaksh 14/03/2026   14/03/2026   N. Rani 14.03.2026   14.03.26

Sarkari Diary

JAC Portal (https://www.jacportal.in/)

JTET Exam Portal (https://jtet.jacportal.in/)

झारखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

विषय : भाषा – 2 (क्षेत्रीय भाषा) : पंचपरगनिया

(परीक्षा–प्रयुक्त लिपि : देवनागरी)

उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा – 6 से 8 हेतु)	
क्र.	पाठ्य – वस्तु
1	भाषा का स्वरूप, इतिहास एवं प्रसार – उद्भव–विकास, क्षेत्रीय प्रसार, भाषिक संपर्क, सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ।
2	उन्नत व्याकरण एवं वाक्य–विन्यास – शब्द–भेद, कारक, क्रिया, वाच्य, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, वाक्य–शुद्धि।
3	भाषा–विज्ञान का प्रारंभिक परिचय – भाषा, भाषा–विज्ञान, ध्वनि–विज्ञान, पद–विज्ञान, वाक्य–विज्ञान, अर्थ–विज्ञान, कोश–विज्ञान, लिपि।
4	लोकसाहित्य का विस्तृत अध्ययन – परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्वय लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाट्य, लोकनृत्य, प्रकीर्ण लोकसाहित्य।
5	साहित्यिक विधाओं का परिचय – पद्य, कहानी, नाटक, निबंध, नई विधाएँ, उपन्यास का सामान्य परिचय।
6	भारतीय, झारखंडी एवं आदिवासी साहित्यिक–सांस्कृतिक संदर्भ – भारतीय साहित्य का सामान्य बोध, भारतीय एवं आदिवासी साहित्य का अंतर्संबंध, झारखंड–जागरण/नवजागरण का परिचय, भाषा–संस्कृति संबंध।
7	पठन, विवेचन, लेखन, प्रारूपण एवं वाक् कला – बोध, समझ, सार, अनुच्छेद, निबंध, आवेदन/पत्र, प्रारूपण, भावांतरण, मौखिक अभिव्यक्ति।
8	भाषा–शिक्षण एवं बहुभाषिक कक्षा–प्रयोग – स्थानीय भाषा का सेतु उपयोग, चारों भाषाई कौशलों का विकास, कक्षा संचार, आकलन मूल बातें, उच्च प्राथमिक शिक्षाशास्त्र।
9	नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में बहुभाषिक कक्षा, द्विभाषिक सामग्री ज्ञान पर आधारित पंचपरगनिया भाषा–शिक्षण।

14/03/26 14/03/2026 N. Rani 14.03.2026 14.03.26

Sarkari Diary

JAC Portal (https://www.jacportal.in/)